प्रेस-विज्ञप्ति

वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण कमजोर अवस्थापनागत सुविधाओं से परेशान प्रदेश के शासकीय इंजीनियरिंग कालेजों को उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय ने धनरूपी संजीवनी प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में प्राविधिक विश्वविद्यालय को सेन्टर आफ एक्सीलेन्स के रूप में विकसित किये जाने की मा0 मुख्यमंत्री महोदय की महत्वाकाँक्षी योजना और विश्वविद्यालय के अपने भवन एवं डा0 कलाम स्मारक के कार्य पूर्ण कराने हेतु भी विश्वविद्यालय की वित्त समिति में सकारात्मक निर्णय लिये गये हैं।

आज दिनांक 24 अगस्त 2015 को उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता, प्रो0 विनय कुमार पाठक ने की तथा इसमें विशेष सचिव, प्राविधिक शिक्षा श्री शिवाकान्त द्विवेदी, विशेष सचिव वित्त, श्री वी0के0 सिंह, विश्वविद्यालय की वित्त अधिकारी सुश्री सरन प्यारी वर्मा सहित अन्य सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय को सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में विकसित किये जाने, इसे उच्च शिक्षा, इन्वोशन, इनक्यूवेशन के केन्द्र विन्दु के रूप में विकसित किये जाने के साथ छात्रों के सामान्य कल्याण एवं समेकित विकास पर भी ध्यान दिये जाने के प्रस्ताव को वित्त समिति ने सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की है। अब उपरोक्त कार्यों हेतु विस्तृत कार्य योजना (डी0पी0आर) तैयार की जायेगी और कुलपति की एक विशेषज्ञ समिति इसका परीक्षण कर लगभग दो सप्ताह में बजटीय व्यवस्था हेतु वित्त समिति में प्रस्ताव प्रस्तुत किये जायेंगे।

जानकीपुरम् विस्तार योजना विश्वविद्यालय के भवनों के रूके हुए निर्माण कार्य को पुनः प्रारम्भ कराने एवं डा0 कलाम स्मारक की स्थापना इसी नवीन परिसर में किये जाने हेतु भी सैद्धान्तिक सहमति हुई है। इन सभी कार्यों हेतु उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 द्वारा निर्मित आगणन का परीक्षण लोक निर्माण विभाग से कराये जाने के उपरान्त धनराशि स्वीकृत कर इसी माह कार्य प्रारम्भ कराया जाना प्रस्तावित है। इसी प्रकार सभी शासकीय संस्थानों तथा कुछ निजी संस्थानों को इनोवेशन हेतु फैसिलीटेटर संस्थान के रूप में चयनित किया जायेगा। जिनके साथ आस-पास स्थिति अभियंत्रण कालेज जोड़े जायेंगे। प्रयास है कि इन्हें नवम्बर माह तक शुरू कर दिया जाय तथा उनकी भौतिक प्रगति परिलक्षित होने लगे।

प्रदेश के शासकीय इंजीनियरिंग कालेजों में आई0ई0टी0, लखनऊ को इस वित्तीय वर्ष में 25 करोड़ रुपये, वास्तुकला संकाय को 7 करोड रुपये, एच0बी0टी0आई0, कानपुर को 10 करोड रुपये, यू0पी0टी0टी0आई, कानपुर को 6 करोड रुपये और बी0आई0ई0टी0, झांसी को 5 करोड रुपये की स्वीकृति इस वित्तीय वर्ष में प्रदान की गयी है। इस धनराशि से छात्र-छात्राओं के छात्रावासों की मरम्मत/निर्माण, शैक्षिक विभागों के उपकरणों का क्रय स्पोर्टस एवं पुस्तकालय को सुविधायुक्त बनाये जाने के कार्य कराये जा सकेंगे। कई वर्षों से आई0ई0टी0 लखनऊ में अडिटोरियम तथा डिस्पेंसरी भवन के अधूरे पड़े कार्यों को भी पूर्ण कराया जायेगा।

विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा एवं बीमा सुविधा प्रदान करने के लिए भी वित्त समिति ने सहमति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त किसी कर्मचारी की मृत्यु होने अथवा किसी गम्भीर बीमार से पीड़ित होने की स्थिति में कुलपति के विवेकाधीन कोष से धनराशि उपलब्ध कराने पर भी सहमति प्रदान की गई। जब तक इस सम्बन्ध में विस्तृत नियमावली नहीं तैयार कर ली जाती तब तक कर्मचारियों को 15 हजार से 1 लाख तक का अनुदान स्वीकृत किया जा सकेगा।

24/8/15
(आशीष मिश्र)